5

ईदगाह

च. चिमटा खरीदने का कारण जानकर अमीना ने क्या सोचा?

3. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ–** पाठ-5 पुस्तक अभ्यास 18/6/24

क. रमजान के कितने रोज़ों के बाद ईद आती है?

i. बीस ☐ ii. दस ☐ iii. तीस ☑

ख. हामिद के पास कितने पैसे थे?

i. तीन ☑ ii. पाँच ☐ iii. दस ☐

ग. लाखों सिर किसमें एक साथ झुक जाते हैं?

i. प्रेम में ☐ ii. सजदे में ☑ iii. स्नेह में ☐

4. **नीचे दी गई घटनाओं के सामने कहानी के अनुसार सही क्रम संख्या 1, 2, 3..... लिखो–**

क. तुम डरना नहीं अम्मा, मैं सबसे पहले आऊँगा। (2)

ख. बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया। (6)

ग. तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं। (5)

घ. हामिद ने दुकानदार से पूछा, "यह चिमटा कितने का है?" (4)

ङ. आज ईद का दिन है। (1)

च. हामिद को ख़याल आया है, दादी के पास चिमटा नहीं है। (3)

इन पर विचार करो

1. हामिद जैसे त्यागी एवं विवेकशील बच्चे से प्रेरणा पाकर आप अपने बुज़ुर्गों की किन ज़रूरतों को करना चाहेंगे? विचार कर उत्तर दीजिए।
2. हामिद की जगह आप होते, तो मेले से क्या खरीदते और क्यों? सोचकर लिखो।
3. इस कहानी का अन्य उपयुक्त शीर्षक सुझाओ और उसे कारण सहित स्पष्ट भी करो।

प्रशंसा-योग्य

1. प्रेमचंद की इस कहानी में हामिद के अनोखे त्याग, प्रेम एवं बुद्धिमानी का मन को छू लेने वाला व किया गया है। हामिद अपनी दादी माँ के साथ ही रहता है। ईद के अवसर पर अन्य बच्चों की तरह उस मन भी मेला देखने को करता है। बूढ़ी दादी माँ के दिए तीन पैसे लेकर वह अपने दोस्तों के साथ मे देखने जाता है, जहाँ उसे अपनी बूढ़ी दादी माँ की रोज़ाना जल जाने वाली उँगलियों की याद हो आती वह उसके लिए एक लोहे का चिमटा खरीद लेता है। दोस्तों के मज़ाक बनाने पर वह उनके खिलौनों इस प्रकार विवेकपूर्ण ढंग से व्यर्थ करार कर देता है कि हर कोई अपने खिलौनों के बदले उसका चि लेने की बात कहने लगता है। अपनी छोटी-सी उम्र में इतना त्याग और प्रेम हर किसी के लिए संभव न क्या आप अपने प्रियजनों की ज़रूरतों को अपनी छोटी-छोटी इच्छाओं से ऊपर मानते हैं? यदि ऐसा है आप भी हामिद जैसे ही हैं।
2. अपने बड़ों व बुज़ुर्गों का सम्मान करें। उनकी आवश्यकताओं को समझें और संभव हो, तो उन्हें भी करें।

जानी-अनजानी बातें

- जब बहुत-से लोग सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक या किसी अन्य कारण से किसी एक स्थान पर एकत्र होते हैं, तो उसे मेला कहते हैं। मेले कई तरह के होते हैं। एक ही मेले में तरह-तरह के क्रियाकलाप और साथ ही विविध प्रकार की दुकानें एवं मनोरंजन के साधन आदि देखने को मिलते हैं। भारत में अनेक कई अवसरों पर मेलों, हाट आदि का आयोजन होता है, जैसे—त्योहारों से जुड़े मेले, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं व्यापार से जुड़े मेले। दिल्ली के प्रगति मैदान में वर्षभर तरह-तरह के मेलों का आयोजन होता रहता है, जिनमें व्यापार-मेला, पुस्तक-मेला आदि मुख्य हैं। इसी तरह हाट आदि में सांस्कृतिक मेलों का आयोजन वर्षभर होता रहता है।

भाषा से

श्रुतलेख

रमज़ान, पंक्तियाँ, भ्रातृत्व, घुड़कियाँ, ज़ब्त, रहस्य

1. **नीचे दिए मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करो—**

मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
मुँह चुराना	नज़र से बचना	मेरे सामने आकर बात करो यूँ मुँह चुराना सही नहीं है।
बाल बाँका न होना	नुकसान न पहुँचना	मेरे रहते तुम उसका बाल बाँका नहीं कर सकते।
परलोक सिधारना	मृत्यु होना	कोरोना के कारण अनेकों लोग परलोक सिधार गए।
गद्‌गद होना	प्रसन्न होना	माँ ने गद्‌गद होकर बच्चे को गोद में उठा लिया।
छाती पीट लेना	अत्यधिक दुखी होना	चिमटा देखकर अमीना ने अपनी छाती पीट ली।

2. दिए गए शब्दों के हिंदी समानार्थी शब्द चुनकर लिखो–

भाग्य दृष्टि समाचार संसार विचित्र उपवास

रोज़ा – उपवास | निगाह – दृष्टि | तकदीर – भाग्य

खबर – समाचार | जहान – संसार | अजीब – विचित्र

3. नीचे दिए शब्दों के लिंग बदलो–

चिमटी – चिमटा | बूढ़ी – बूढ़ा

दादी – दादा | लड़की – लड़का

अम्मी – अब्बा | रानी – राजा

4. पाठ में से विशेषण और विशेष्य शब्द चुनकर उदाहरण के अनुसार तालिका में लिखो–

	विशेषण	विशेष्य
दुबला-पतला लड़का	दुबला-पतला	लड़का
बूढ़ी दादी	बूढ़ी	दादी
भड़कीले वस्त्र	भड़कीले	वस्त्र
सुंदर खिलौने	सुंदर	खिलौने

5. संज्ञा के भेद : संज्ञा के **तीन भेद** हैं–

क. व्यक्तिवाचक : जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का नाम हो।

ख. जातिवाचक : जो किसी पूरी जाति या समूह का नाम हो।

ग. भाववाचक : जो किसी भाव या गुण का नाम हो।

दिए गए शब्दों को संज्ञा के भेद अनुसार तालिका में उचित स्थान पर लिखो–

अमीना, इमारत, ईदगाह, हामिद, स्नेह, मिठाई, गरीबी, महमूद, प्रसन्नता, चाँद, आश्चर्य, चिमटा

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
हामिद	मिठाई	स्नेह
अमीना	चिमटा	मिठाई
महमूद	इमारत	प्रसन्नता
चाँद	ईदगाह	आश्चर्य

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. कहानी में हामिद अपनी दादी से बहुत प्रेम करता था और उनका ख़याल रखता था। आप घर में सबसे ज़्यादा किससे प्यार करते हैं और उनका ख़याल किस प्रकार रखते हैं? बताइए।
2. 'ईदगाह' कहानी को छोटे-छोटे संवादों में लिखकर उसका नाट्य मंचन करो।
3. किन-किन त्योहारों पर मेलों आदि का आयोजन किया जाता है? अपने बड़ों से उन त्योहारों के विषय में जानकारी एकत्र करो और बताओ कि आप ऐसे किसी त्योहार पर लगने वाले मेले में जाकर अपने तथा अपने परिवारजनों के लिए क्या खरीदना चाहोगे और क्यों।
4. मुंशी प्रेमचंद की अन्य बाल कहानियों को पढ़ो और कक्षा में इनके बारे में अपने मित्रों के साथ बातचीत करो।

हमने क्या सीखा

1. त्योहार आपसी सद्भाव एवं भाईचारे के प्रतीक होते हैं। ☐
2. अपने बड़ों एवं बुज़ुर्गों के प्रति स्नेह की भावना रखना और उनका आदर करना। ☐
3. जीवन में अपनों की खुशी एवं आवश्यकता के लिए त्याग करना। ☐
4. धैर्य, बुद्धिमानी और सूझ-बूझ के बल पर हर समस्या का हल निकाला जा सकता है। ☐